

UGC 45080

Vol - 11/JULY 2018

ISSN 2321 5054

History Times

A Peer Reviewed & UGC Approved Research Journal
of History & Archaeology

Editors

Prof. Naveen Gideon
Prof. B. K. Shrivastava



Bundelkhand Itihas Parishad Evam Shodh Sansthan, Sagar (M.P.)

Regd. No. 06/09/01/09369/12

CONTENTS

1.	हर्ष के उपरान्त 75 वर्ष : एक अन्धकाल डॉ. अंजलि दुबे	1
2.	रजनी पाम दत्त : कम्युनिस्ट आन्दोलन के प्रणेता सृष्टि वर्मा	5
3.	बुन्देलखण्ड में गाँधीजी का आगमन डॉ. बी.के. श्रीवास्तव	11
4.	प्राचीन भारत में राजनैतिक चिंतन : राजतरंगिणी के परिप्रेक्ष्य में डॉ. भावना यादव	16
5.	परमारों की उत्पत्ति : एक पुनरावलोकन डॉ. नवीन गिडियन	19
6.	कलचुरियों की धार्मिक उपासना पद्धति डॉ. वन्दना गुप्ता	24
7.	नंदिकेश्वर तीर्थ का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व श्रीमती अभिलाषा ठाकुर	30
8.	दयानंद सरस्वती का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद डॉ. अनिल दुबे	35
9.	मध्यकालीन भारत में मुस्लिम नारी की स्थिति डॉ. विभा राठौर	39
10.	मुगलकालीन चित्रकला : सांस्कृतिक समन्वय के प्रतीक डॉ. अलीमा शहनाज सिद्दीकी	43
11.	म.प्र. उच्च न्यायालय भवन, जबलपुर का इतिहास एवं स्थापत्य डॉ. रंजना जैन	46
12.	छत्तीसगढ़ का गौरव-रामगढ़ डॉ. शशिकला सिन्हा	50
13.	भारत में रेलवे के विकास में प्रयुक्त विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (1853 ई.-1947 ई.) अखिल कुमार गुप्ता	54
14.	20वीं सदी का अन्तर्राष्ट्रीय ख्यात चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन डॉ. कुमकुम माथुर	60
15.	ग्वालियर के वीरसिंहदेव तोमर : तत्कालीन साक्ष्यों के संदर्भ में डॉ. मधुबाला कुलश्रेष्ठ	64
16.	वर्तमान में आदिवासी संस्कृति का अवलोकन डॉ. मीना श्रीवास्तव	70
17.	हवेली खेती का इतिहास (नर्मदा कछार के विशेष संदर्भ में) डॉ. जरीना जॉन चौधरी एवं नितेश चौधरी	75
18.	खजुराहो में जलसंसाधन और कला में उनका प्रभाव रेनू विश्वकर्मा	80

Prof. Naveen Gideon

Editor, "History Times"

Bundelkhand Itihas Parishad Evam Shodh Sansthan, Sagar (M.P.)

Cell : 9425020650, E-Mail : historytimes2010@gmail.com

बुन्देलखण्ड में गाँधीजी का आगमन

डॉ. बी. के. श्रीवास्तव

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष - इतिहास विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)

महात्मा गाँधी ने समस्त भारत की यात्रा की थी। मध्यप्रदेश एवं बुन्देलखण्ड को भी यह सौभाग्य प्राप्त है कि यहाँ महात्मा गाँधी का आगमन हुआ। मध्यप्रदेश में महात्मा गाँधी के आगमन के वर्ष निम्न थे -

प्रथम बार	1918	इन्दौर
द्वितीय बार	1921	छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, खण्डवा
तृतीय बार	1929	भोपाल
चतुर्थ बार	1933	बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, मण्डला, हरदा एवं खण्डवा
पाँचवीं बार	1935	इन्दौर
छठी बार	1941	भेड़ाघाट
सातवीं बार	1942	जबलपुर

गाँधी जी की मध्यप्रदेश की यात्राओं में सर्वाधिक महत्वपूर्ण यात्रा 1933 ई. की थी जिसमें उन्होंने बुन्देलखण्ड के सागर अंचल के अनंतपुर ग्राम में रात बितायी। इसकी विस्तृत विवेचना हम आगे करेंगे।

गाँधी जी से मध्यप्रदेश का प्रथम परिचय 1918 में उस समय हुआ जबकि वे इन्दौर आये। गाँधी जी अखिल भारतीय हिन्दी साहित्य सम्मेलन के आठवें अधिवेशन में भाग लेने 1918 में इन्दौर आये। गाँधी जी इस अधिवेशन के सभापति थे। उन्होंने 28 मार्च से 31 मार्च 1918 तक का समय इन्दौर में बिताया।

नागपुर कांग्रेस के पश्चात् गाँधी जी ने 1921 में भारत का व्यापक दौरा किया। उनका यह ऐतिहासिक दौरा मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा से आरम्भ हुआ। अली बन्धु भी उनके साथ आये थे। 6 जनवरी 1921 को गाँधीजी कार द्वारा दोपहर लगभग 3 बजे छिंदवाड़ा पहुँचे।¹ तिलक स्वराज फण्ड के लिये दान देने गाँधीजी ने यहाँ की महिलाओं से अपील की। प्रत्युत्तर में छिंदवाड़ा की महिलाओं ने बड़ी संख्या में धन एवं आभूषण दान स्वरूप दिये।² गाँधीजी ने यहाँ दिये भाषण में कहा - 'अली भाइयों के मन में छिंदवाड़ा के प्रति बहुत अनुराग है। मैं अहमदाबाद जाना चाहता था मगर यह मुझे छिंदवाड़ा ले आये।' गाँधीजी ने खिलाफत नेता अली बन्धुओं के साथ पूरे भारत का दौरा किया था।³ छिंदवाड़ा में 'तिलक स्वराज कोष' एवं 'खिलाफत कोष' के लिये लगभग ढाई हजार रुपये एकत्रित हुए। छिंदवाड़ा से गाँधीजी वापस नागपुर चले गये।⁴ चूँकि अली बन्धु लम्बे समय तक छिंदवाड़ा एवं बैतूल की जेलों में रहे थे। उनका यहाँ काफी परिचय था अतः वे गाँधीजी को छिंदवाड़ा ले आये थे।⁵